ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 16 | अंक – 64 | अक्टूबर–दिसंबर 2012

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से नूतन वर्ष 2013 की हार्दिक शुभकामनाएं।

इस अंक में

1. सतर्कता जागरूकता सप्ताह
2. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
3. प्रशिक्षण सेमिनार
4. **IRSE** दिवस पर चिंतन बैठक
5. जीवन शैली तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 117वीं बैठक
7. हिंदी पठन–पाठन प्रोत्साहन योजना
8. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
10. श्रद्धांजली
11. सृजन
12. विविध

ज्ञानदीप के 16वें वर्ष का यह आखिरी अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष हो रहा है। वर्षांत में मुख्यतः हम उपलब्धियों की समीक्षा करते हैं। वर्ष 2012 के आरंभ में संस्थान में आईपीडब्ल्युई सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। गणतंत्र दिवस, स्थापना दिवस, रेल सप्ताह, दीक्षा समारोह, स्वतंत्रता दिवस, राजभाषा सप्ताह, स्वतंत्रता दिवस समारोह के साथ- साथ अन्य कई कार्यक्रम इस वर्ष उत्साहपूर्वक मनाए गए। हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत 8 कर्मचारियों को भाषा/कंप्यूटर टायपिंग/आशुलिपि में प्रशिक्षित कराया गया तथा राजभाषा सप्ताह के अवसर पर 1 अधिकारी एवं 20 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। सीमित संसाधनों के बावजूद इन कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संस्थान के कर्मचारी और अधिकारीगण बधाई के पात्र है। संस्थान में भिन्न-भिन्न विषयों पर 64 पाठ्यक्रम एवं 10 सेमिनार आयोजित किए गए, इनमें 1367 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। तकनीकी अद्यतन ज्ञान को परिपूर्ण बनाने हेतु संकाय विदेशी दौरे पर गए तथा उनके द्वारा अर्जित ज्ञान से प्रशिक्षण को उन्नत/विश्व स्तरीय बनाने में मदद मिली। संस्थान के इन सभी गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा सूचना-पत्र ङ्ज्ञानदीपङ्क के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। हमारी आकांक्षा यही रहती है कि हम नित नई-नई ऊंचाईयों को छूने का सतत प्रयास करते रहें और आपको इसके बारे में सूचित करते रहें। इसमें आपके सहयोग, आपकी प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझाव का हमें सदैव से इंतजार है.

मुख्य संपादक

1. सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

भारतीय रेल पर दिनांक 29 अक्टूबर से 03 नवंबर, 2012 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2012 को 11.00 बजे संस्थान के सम्मेलन कक्ष में निदेशक, संकाय अध्यक्ष, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रतिज्ञा ली। प्रशिक्षु अधिकारियों को भी इस अवसर पर क्लास रूम में प्रतिज्ञा दिलाई गई।

दिनांक 02 नवंबर, 2012 को सतर्कता जागरुकता सप्ताह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल की अध्यक्षता में प्राध्यापक, रेलपथ श्री



निदेशक एवं संकाय सदस्यगण सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजन का दृश्य

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

नीलमणि ने रेल कार्यों में भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं पारदर्शिता लाने हेतु किए जाने वाले पूर्वोपाय पर विशेष प्रेजेंटेशन दिया।

श्री नीलमणि ने उपस्थित प्रशिक्षु अधिकारियों, भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों को सतर्कता विभाग द्वारा भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। रेलवे के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्य में पाई गई विसंगतियों के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के



प्रा.रेलपथ, श्री नीलमणि सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर प्रस्तुतीकरण देते हुए

कार्यकलापों को भी विस्तार से बताया और उपस्थित सदस्यों को कार्य के प्रति सजगता बरतने की सलाह दी।



प्रशिक्षु अधिकारीगण प्रतिज्ञा ग्रहण करते हुए

निदेशक, इरिसेन, पुणे श्री सी.पी.तायल ने भी इस अवसर पर भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों पर उपस्थित सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया और इस संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

2. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 18 से 19 अक्टूबर, 2012 तक इरिसेन में प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। अपर सदस्य, सिविल इंजी., रेलवे बोर्ड ने 18 अक्टूबर, 2012 को सेमिनार में हिस्सा लिया और विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव बांटे एवं विचार-विमर्श में सक्रियता से भाग लिया। कार्यसूची की मदों पर विचार-विमर्श के साथ-साथ निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण/व्याख्यान दिए गए:-

I) निदेशक/टीएमएस/रे.बोर्ड एवं मु.इंजी./टीएमएस/उ.रेल द्वारा 'ट्रैक मेंटेनेंस पॉलिसी'

ii) श्री पी.के.गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ-2 द्वारा 'रेल ग्राइंडिंग'

iii) प्रौदिगी सिस्टम, हैदराबाद के श्री वेंकट द्वारा "Complaint Management System"

3. प्रशिक्षण सेमिनार



प्रशिक्षण सेमिनार में उपस्थित प्रशिक्षुओं का निदेशक इरिसेन के साथ का चित्र

दिनांक 06 एवं 07 दिसंबर, 2012 को संस्थान में प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारी एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य उपस्थित हुए। श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने सेमिनार में उपस्थित सदस्यों को स्वागत भाषण दिया। तदुपरांत पिछले वर्ष के कार्यसूची की समीक्षा की गई तथा तात्कालिक कार्यसूची मदें जैसे कि भूमि एवं लाइसेंस, मैनुअल के मसौदे, विविध मदें एवं प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की गई। क्षेत्रीय रेलों द्वारा ग्रुप 'सी' एवं ग्रुप 'डी' के प्रशिक्षण पर प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।

4. IRSE दिवस चिंतन बैठक

IRSE ऑफिसर्स असोसिएशन, इरिसेन, पुणे चैप्टर द्वारा दिनांक 01 नवंबर, 2012 को भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा (IRSE) दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 01 नवंबर, 2012 को अपराह्न में "वैचारिक मंथन" सत्र का आयोजन किया गया था। इसमें निदेशक, इरिसेन, इरिसेन के सभी संकाय सदस्य, पुणे मंडल के अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारीगण एवं 2010 परीक्षा बैच के 43 परिवीक्षार्थियों ने चिंतन बैठक में हिस्सा लिया।

चिंतन बैठक में वर्कलोड, ब्लॉक की बाध्यता को ध्यान में रखते हुए अनुरक्षण कार्यों में सुधार जैसी विषयों पर चर्चा की गई ताकि निकट भविष्य में कार्य स्थलों पर पदस्थ होने वाले परिवीक्षार्थी इन समस्याओं का डट कर सामना कर सकें। साथ ही इस बात पर भी चर्चा की गई कि अपने कर्मचारियों और ट्रैकमेनों का ख्याल कैसे रखा जाए।



चिंतन बैठक का दृश्य

सायंकाल कोरेगांव पार्क के नए निर्माणाधीन इरिसेन भवन में सांकेतिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के अवसर पर सेवारत एवं सेवानिवृत्त IRSE अधिकारियों के सम्मान में सांस्कृतिक अकादमी, घोरपड़ी एवं 2010 परीक्षा बैच के IRSE परिवीक्षार्थियों के संयुक्त प्रयास से एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

5. जीवन शैली तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान



तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान का दृश्य

श्री समीर नायक, प्रतिनिधि, ऋषि संस्कृति विद्या केंद्र ने तनाव रहित जीवनशैली के लिए प्रशिक्षु अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह छोटे–छोटे सिद्धांतों पर चलकर जीवन को सरल बनाया जा सकता है। जीवन प्रकृति का एक सुंदर उपहार है एवं उसका भली भांति आनंद उठाना ही जीवन का एकमेव उद्देश्य है। वर्तमान में जीने की कला को आत्मसात करके, जीवन को तनाव रहित बनाया जा सकता है। जीवन में खानपान, प्राणायाम एवं व्यायाम के महत्व पर भी उन्होंने समुचित प्रकाश डाला, खासकर ध्यान करने के फायदे विस्तार से बताए गए। सत्र के दौरान सभी ने गाइडेड मेडीटेशन करके उसका अनुभव किया। अंत में प्रशिक्षु अधिकारियों के प्रश्नों का जवाब बड़े सुंदर ढ़ंग से देकर अपने व्याख्यान को श्री नायक ने और भी सुरुचिपूर्ण बना दिया।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 117वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 117वीं बैठक का दृश्य

श्री सी.पी. तायल, निदेशक/इरिसेन की अध्यक्षता में दिनांक 27 नवंबर, 2012 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 117वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने राजभाषा सप्ताह के अवसर पर माटुंगा कारखाना द्वारा मंचित नाटक "ब्रेकिंग न्यूज" की सराहना की एवं पुणे के इंजीनियरिंग छात्रों आरोह बैंड द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की तारीफ की। श्री मनोज अरोरा को गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत होने पर बधाई दी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रेल सेवक को राजभाषा में कार्य पुरस्कार या प्रोत्साहन की परवाह किए बिना स्वेच्छा से करनी चाहिए।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल श्री शरद अग्रवाल ने सर्वप्रथम श्री मनोज अरोरा, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–I को राजीव गांधी मौलिक पुस्तक लेखन योजना में महामहिम राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत किए जाने पर बधाई दी। सितंबर माह में राजभाषा सप्ताह के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की और उपस्थित सदस्यों द्वारा इन कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। बैठक में राजभाषा प्रगति से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

7. हिंदी पठन–पाठन प्रोत्साहन योजना

इस योजना के तहत साहित्यकारों की रचना पर समीक्षा लिखनी होती है। स्थानाभाव के कारण इसे इस अंक में नहीं दे रहे हैं संस्थान में साहित्यकारों की जयंती के अवसर पर एक योजना जून, 2012 से अनवरत चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत हिंदी पुस्तकों के पठन–पाठन को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जाता है।

इस योजना में भाग लेने वाले पाठकों की सूची इस प्रकार है :

क्र.	साहित्यकारों के नाम	समीक्षित रचना का नाम	समीक्षा लेखक का नाम/पदनाम
1	प्रेमचंद	नमक का दारोगा	श्री पी.के.सिंह, स.मं.इंजी./ सें./प.म.रेल
2.	प्रेमचंद	ईदगाह	श्री पी.के.सिंह, स.मं.इंजी./ सें./प.म.रेल
3	प्रेमचंद	ईदगाह	श्री नीलेश कुमार गौरव, IRSE(P) 2008 बैच
4	मैथिलीशरण गुप्त	साहित्यकार के संबंध में	श्री भावेश दत्त, सहायक इंजी. /निर्माण, दरभंगा, बिहार
5	राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर	साहित्यकार के संबंध में	श्री भावेश दत्त, सहायक इंजी./ निर्माण, दरभंगा, बिहार
6	शरतचंद्र चट्टोपाध्याय	काशीनाथ	श्री स्वरूप मुखोपाध्याय, अनुदेशक–रेलपथ, भूली, पूर्व रेल

8. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	12104	समेकित पाठ्यक्रम	26/11/12	07/02/13
2	13001	IRSE (P) फेज I(पी)	14/01/13	07/03/13
3	13101	समेकित पाठ्यक्रम	11/02/13	25/04/13
4	13201	वरि. प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	07/01/13	15/02/13
5	13205	वरि.व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम	25/03/13	17/05/13
6	13301	मुख्य इंजी. (कार्य), मु.योजना डिजाइन इंजी. का सेमिनार	21/02/13	22/02/13
7	13302	स्थापना दिवस एवं 86 बैच के अधि. के लिए सेमिनार	18/03/13	19/03/13
8	13401	भूकंप अनुरूप संरचना सहित ब्रिज डिजाइन सहायकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	07/01/13	25/01/13
9	13402	USFD परीक्षण, वेल्डिंग, रेल ग्राइंडिंग एवं ट्रैक मॉनिटरिंग	11/03/13	15/03/13
10	13403	पाइंट एवं क्रॉसिंग बिछाना, यार्ड की प्लानिंग एवं MX रेल के उपयोग से ट्रैक की डिजाइन	04/02/13	08/02/13
11	13404	रेलवे फॉर्मेशन एवं जियो टेक्निकल इंवेस्टिगेशन	1/02/13	15/02/13
12	13405	उपयोगकर्ताओं के लिए ट्रैक मशीन एवं स्मॉल ट्रैक मशीन	25/03/13	29/03/13
13	13601	इरकॉन फॉरेन इंजीनियर	14/01/13	01/02/13
14	13602	एनटीपीसी इंजीनियर	07/01/13	11/01/13
15	13701	IRSSE(P) 2010 के लिए जागरूकता सप्ताह	18/02/13	22/02/13

9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 12103

प्रथम



श्री हरभजन सिंह,
DEN/अंबाला, उ.रे.

द्वितीय



श्री मुकेश मंडालिया,
XEN/CON, अहमदाबाद, प..रे.

10. श्रद्धांजली

श्री के. नारायण इलियात



निदेशक, इरिसेन के निजी सचिव श्री के. नारायण इलियात का 31 जुलाई, 2012 को अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। श्री नारायण के अकस्मात निधन से इरिसेन परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है। श्री नारायण ने 10 अक्टूबर, 1987 में कनिष्ठ आशुलिपिक के पद पर इरिसेन में रेल सेवा प्रारंभ की थी। 1987 से 2012 के दौरान इरिसेन में उन्होंने वरिष्ठ आशुलिपिक, वैयक्तिक सहायक, निजी सचिव ग्रेड–। के पदों पर लगभग 25 वर्षों तक इरिसेन की सेवा बड़ी तत्परता एवं लगन से की। सेवा के प्रति उनकी ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा अविस्मरणीय रहेगी। उनके इस दुखद देहावसान पर इरिसेन परिवार उनको श्रद्धासुमन अर्पित करता है एवं ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति के लिए प्रार्थना करता है।

श्री शिव शंकर शिंदे



इरिसेन परिवार के वरिष्ठ खलासी श्री शिव शंकर शिंदे का 26 अक्टूबर, 2012 को निधन हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। कुछ माह पहले उनकी पत्नी का भी निधन हो गया था। श्री शिंदे अपने पीछे दो नाबालिग पुत्र छोड़ गए हैं। इरिसेन परिवार उनको श्रद्धांजली देता है। उनकी आत्मा की शांति के लिए एवं शोकाकुल परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है।

11. सृजन

समय

समय समय पर समय ने मुझे लूटा
समय समय से साथ मिला व छूटा ।
समय समय पर समय यदि साथ न देता
तो समय समय पर होता मैं रोता।

समय – समय का फेरा है
समय – समय का घेरा है
समय – समय की बात है
समय– समय की लात है

इसीलिए समय समय पर समय की होती है मक्मिा
समय समय पर समय की समझो गरिमा
समय समय पर हर काम समय से करो
समय से हर समय उन्नति करो ।

समय से – समय पर यदि खाओगे धोका
तो समय से उड़ा ले जायेगा तुम्हें हवा का झोंका
समय से समय पर यदि टकराओगे
समय जाएगा छूट, बहुत पछताओगे।

अत: समय से समय को पकड़ो
अपने को अनुशासन में जकड़ो
तब समय से हर समय सब पाओगे
समय से जो बोओगे वही तुम खाओगे।
समय से जो बोओगे वही तुम खाओगे।

श्याम खोचे, सह प्राध्यापक, इरिसेन

12. विविध

कर्मयोग

गीता में श्री कृष्ण अर्जुन से कहते हैं इस युद्ध भूमि में तुम एक योद्धा की तरह खड़े हो, अत: युद्ध करना तुम्हारा कर्तव्य है। तुम एक सच्चे क्षत्रीय धर्म का पालन करो। जो ब्रह्म साक्षात्कार के लिए कर्मयोग अति आवश्यक है।

कर्मयोग हमें निम्न विशेषताएं अपनाने की शिक्षा देता है :

1. नि:स्वार्थ सेवा एंव कर्तव्य की पूर्ति से सच्चे आनंद और परम शांति की अनुभुति होगी।
2. नि:स्वार्थ भाव सतत अभ्यास से जागता है, अत: धैयपूर्वक महान कर्मयोगियों का अनुसरण करें।
3. सदा दूसरों का हित सोचें। अपने अंदर प्रेम तथा करूणा जैसे सदगुणों का विकास करें।
4. अपने हर कार्य को पूजा के भाव से करें और उसे ईश्वर को अर्पित करना सीखें।
5. जीवन में मान–अपमान, निंदा– स्तुति, हार–जीत के प्रति अनासक्ति का भाव पैदा करें।
6. नि:स्वार्थ कर्म के लिए चित्त की शुद्धि अति आवश्यक है।
7. शांत मन से हर कार्य कुशलता से करें।
8. कर्म–योग ईश्वर की पूजा है।

कर्मयोगी कौन होता है ?

1. जिसमें अहंकार व क्रोध, लोभ, स्वार्थ और आसक्ति न हो।
2. उसमें कर्तापन का भाव न हो ।
3. जो सदैव शांत, मृदु और सयंमित रहे। जिसका मन निर्मल, पवित्र तथा सदैव प्रसन्न हो।
4. जो अपनी इंद्रियों का दास न हो।
5. जो दूसरों में दोष न देखे।
6. जो अपना समय व्यर्थ के विवाद और गपशप में न बिताए।
7. जिसमें अधूरे मन से कार्य करने और टालने की वृत्ति न हो।
8. जो दया, करूणा, विनम्रता और प्रेम की मूर्ति हो।

दिल का द्वार खोल पत्रिका से साभार :
श्री एस.के.गर्ग, वरि.प्राध्यापक कार्य

इस संसार में प्रत्येक वस्तु वट–वृक्ष के बीज के समान है, जो यद्यापि देखने में तो सरसों के दाने के समान लघु दीख पड़ता है, तथापि अपने अंदर विशाल वट वृक्ष को छिपाए हुए है। सचमुच महान वही है जो यह बात परख कर प्रत्येक कार्य को महान बनाने में सफलता प्राप्त कर दिखाए।

– स्वामी विवेकानंद

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080